संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-10 । अंक-2 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 16 जून 2026 से 22 जून 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

खरगोन कलेक्ट्रेट या 'भ्रष्टाचार का सुरक्षित अड्डा'?

कलेक्टर खरगोन भव्या मित्तल

कंचन डोंगरे
सीईओ, खरगोन

उपयंत्री राकेश राय

अनिल जैन
डिप्टी कलेक्टर,
खरगोन

याद रखिए, सच को दबाने की कोशिश ही सच को और ज्यादा चमक देती है।

हम रुकने वाले नहीं हैं..!

SPECIAL REPORT

नवीन गलकर

खरगोन/इंदौर। खरगोन का जिला प्रशासन इन दिनों एक अनोखे 'जांच-तंत्र' के दौर से गुजर रहा है। खरगोन कलेक्ट्रेट में कानून के नियम नहीं, बल्कि 'दबाव और सेटिंग' के नियम चलते हैं? जनजातीय कार्य विभाग के उपयंत्री राकेश राय, जिन पर रिश्वतखोरी के गंभीर और पुख्ता आरोप हैं, उन्हें देखकर ऐसा लगता है मानो वे किसी कर्मचारी नहीं, बल्कि प्रशासन के उस 'लाडले' के रूप में स्थापित हो चुके हैं, जिन्हें छूने की हिम्मत शायद किसी अफसर में नहीं है।

'संभाग पोस्ट' ने उपयंत्री राकेश राय की कारगुजारियों और उन्हें मिल रहे 'संरक्षण' का सच उजागर किया था। परन्तु जांच की फाइलें कलेक्टर कार्यालय के कमरों में घूम तो रही हैं, लेकिन उनका परिणाम 'शून्य' है। यह सिर्फ एक उपयंत्री का मामला नहीं है, बल्कि यह उस पूरे सिस्टम की कलई खोलता है, जहाँ रिश्वतखोरी की शिकायतें महज रद्दी की टोकरी में डालने के लिए दर्ज की जाती हैं। आखिर क्या वजह है कि राकेश राय का नाम आते ही फाइलों पर 'ब्रेक' लग जाते हैं? क्या उनकी फाइल में कोई ऐसा 'जादुई पन्ना' है जो बड़े साहबों की कुर्सी हिला सकता है? 'संभाग पोस्ट' ने डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन की कार्यप्रणाली और आर.टी.आई. के प्रति सहायक आयुक्त इकबाल आदिल के उदासीन रवैये पर सवाल खड़े किए थे। तब भी यही लगा था कि प्रशासन दोषियों को 'बचाने' के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रहा है। संभाग आयुक्त आदेश देते हैं और खरगोन कलेक्टर कार्यालय उसे 'ठंडे बस्ते' में डाल देता है। हमने संभाग आयुक्त के आदेशों की धज्जियां उड़ते देखीं। यह स्थिति स्पष्ट करती है कि खरगोन में कलेक्टर की कुर्सी अब संवैधानिक जिम्मेदारी का प्रतीक नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार को 'सेफ पैसेज' देने वाला कार्यालय बन चुकी है। 'संभाग पोस्ट' ने 'सिरवेल महादेव' के नाम पर हुए घोटालों का कच्चा-चिट्ठा रखा था। वहां भी यही मौन, यही लीपा-पोती और यही बेशर्मी देखी गई। महादेव के मंदिर की पवित्रता तक को भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाने वालों को जो आश्रय दिया जा रहा है, वह खरगोन प्रशासन के माथे पर एक ऐसा कलंक है जो कभी नहीं धुलेगा।

कलेक्टर महोदया से सीधा सवाल, मैडम, खरगोन की कमान आपके हाथों में है। लेकिन क्या आप वास्तव में इस जिले को चला रही हैं या 'भ्रष्टाचार के ठेकेदारों' ने आपको भी अपने 'नरेटिव' में कैद कर लिया है? जनता ने न्याय की गुहार लगाई, प्रशासन ने उसे ठेंगा दिखाया। राकेश राय जैसे उपयंत्री खुलेआम घूम रहे हैं और आप फाइलों का खेल खेल रही हैं। यह प्रशासनिक नपुंसकता है या फिर इस लूट में आप भी मूकदर्शक के रूप में अपनी हिस्सेदारी वसूल रही हैं? 'संभाग पोस्ट' ने पहले भी उजागर किया है और आगे भी करता रहेगा। आज की चुप्पी कल आपके लिए एक बड़ा 'जांच का विषय' बन सकती है। अब या तो दोषियों पर कार्रवाई रूपी बुलडोजर चलाइये, या फिर यह स्वीकार कर लीजिए कि खरगोन कलेक्ट्रेट में अब सिर्फ 'रिश्वत के रेट' तय होते हैं, न्याय नहीं मिलता।

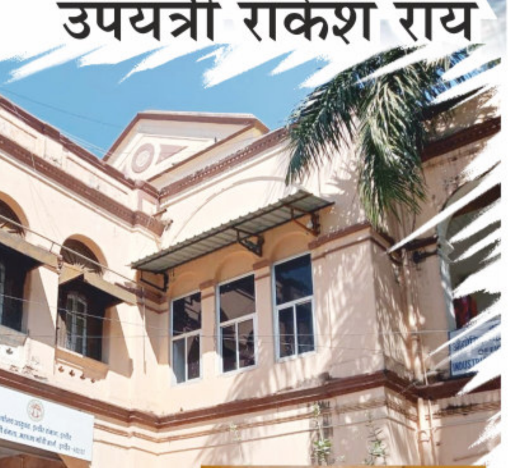

संभाग आयुक्त
सुदामा खाड़े

सुविचार

'एक दिन अपने आप पर गर्व करना है,
तो आज हारी हुई बाजी जीतनी ही होगी।'

संपादकीय

महिलाओं के खिलाफ हिंसा

यूं तो भारतीय समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने के तमाम दावे गाहे-बगाहे किए ही जाते हैं। आधी दुनिया को पूरा हक देने की बात होती है। किंतु-परंतु के बीच उन्हें जनप्रतिनिधि संस्थाओं में 33 फीसदी आरक्षण देने पर प्रतिबद्धता जतायी जाती है। लेकिन इन दावों के बीच सामने आया एक कड़वा सच हमें वास्तविक स्थिति से रूबरू करा देता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-6 की रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि देश में ग्रामीण इलाकों में हर चौथी और शहरी क्षेत्र में हर छठी महिला किसी न किसी रूप में हिंसा का शिकार होती रही है। यह विडंबना ही है कि शहरों की तुलना में ज्यादा शांत व सुरक्षित माने जाने वाले ग्रामीण इलाकों में स्त्रियों को घरेलू एवं यौन हिंसा का ज्यादा सामना करना पड़ता है। वीरवार को सुप्रीम कोर्ट ने गृहिणियों के योगदान को राष्ट्र के उत्थान में महत्वपूर्ण बताते हुए उन्हें नेशन बिल्डर तक कह दिया। यहां तक कि घर और परिवार की देखभाल में गृहिणियों द्वारा किए जाने वाले कार्यों के कल्पित आर्थिक मूल्य का निर्धारण करते हुए उसे नजरअंदाज न करने की सलाह दी। यह विडंबना ही है कि जिन महिलाओं को सुप्रीम कोर्ट नेशन बिल्डर बता रहा है, उन्हें हम सुरक्षा नहीं दे पा रहे हैं। आखिर महिला सशक्तीकरण के सारे विशेष प्रयास सिर्फ कागजों तक ही क्यों सिमट जाते हैं? आखिर क्या वजह है कि महिलाओं की रक्षा-सुरक्षा हेतु तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद जमीनी हकीकत नहीं बदलती है। इसमें दो राय नहीं कि समय-समय पर महिला उत्थान के लिये तमाम महत्वपूर्ण योजनाएं और अभियान चलाये जाते रहे हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि विकासात्मक कार्यों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। जीवन के हर क्षेत्र में वे अपना आकाश तलाश रही हैं। विधायिका में तैंतीस प्रतिशत आरक्षण देने के मुद्दे पर सभी राजनीतिक दल सहमत नजर आते हैं। सवाल यही है कि जीवन व्यवहार में स्थिति क्यों नहीं बदलती। देश के नीति-नियंताओं को इस गंभीर मुद्दे पर विचार करना होगा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिये तमाम विशेष कानून बनाये जाने के बावजूद क्यों ग्रामीण क्षेत्रों में हर चौथी व शहरी क्षेत्र में हर छठी स्त्री को हिंसा व यौन उत्पीड़न का शिकार होना पड़ रहा है। आखिर क्या वजह है कि घर से लेकर बाहर तक वे खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर पा रही हैं? क्या कहीं इसमें पितृसत्ता प्रधान समाज की मानसिकता कारण है? दरअसल, आज लड़कियों व महिलाओं के खिलाफ हिंसा कई रूपों में मौजूद है। आजादी के सात दशक बाद भी हम दहेज के कलंक से मुक्त नहीं हो पाये हैं। हाल के दिनों में दहेज हत्या के कई बहुचर्चित मामले प्रकाश में आए। एक लड़की की पढ़ाई से लेकर शादी तक मां-बाप काफी खर्च करते हैं, फिर दहेज देने की जरूरत क्यों? छोटी-छोटी बातों में महिलाओं से मारपीट की खबरें आती हैं। वहीं अदिवासी व पिछड़े इलाकों में महिलाओं को डायन बताकर मारने की घटनाएं सामने आती हैं। हमारा समाज आज भी अंधविश्वासों और जादू-टोने के भय से मुक्त नहीं हुआ है। जिसके चलते महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामले सामने आते हैं। सर्वेक्षण का यह तथ्य चौंकाता है कि 18 से 49 आयु वर्ग की विवाहिताओं में बाईस फीसदी को वैवाहिक जीवन में घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ा है। हालांकि, समय के साथ हिंसा के आंकड़ों में गिरावट आई है, लेकिन ?इसके बावजूद स्थिति चिंता पैदा करती है। जो किसी सभ्य समाज के माथे पर एक दाग की तरह ही है। हमारी व्यवस्था की विसंगतियां, पुरुष प्रधान सोच और हिंसा रोकने के लिये बनाए गए कानूनों के क्रियान्वयन में खामियां महिलाओं को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने में बाधक हैं। जो सामाजिक विसंगति की ओर इशारा करता है। यदि समय रहते कानून प्रवर्तन एजेंसियां संवेदनशील ढंग से कदम उठायें तो महिलाएं खुद को घर-बाहर सुरक्षित महसूस कर सकती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में किशोर अवस्था के दौरान यौन-हिंसा का शिकार होने का प्रतिशत शहरों के मुकाबले अधिक होना, ग्रामीण समाज में विद्रूपताओं को दर्शाता है। जरूरी है कि ग्रामीण समाज में महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग किया जाए।

श्री आदि गौड़ ब्राह्मण समाज एवं युवा संगठन की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई

अध्यक्ष शाम गौड़, महासचिव प्रकाश गौड़, युवा संगठन के अध्यक्ष भूपेंद्र शर्मा, जी की, गरिमामय उपस्थिति में उक्त बैठक आयोजित हुई

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

संगठन से जुड़े महासचिव प्रकाश गौड़ ने जानकारी देते हुए बताया कि, भगवान परशुराम मंदिर पर आदि गौड़ ब्राह्मण समाज समाज की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा सांसद प्रतिनिधि डॉ,संतोष वाधवानी जी भी उपस्थित रहे, उन्होंने अपने उद्बोधन में समझ में युवाओं की क्या महत्वपूर्ण भूमिका है इस पर भी अपना वक्तव्य दिया, समाज से जुड़े वरिष्ठ और युवाओं द्वारा फाग महोत्सव और कई सामाजिक कार्य किए जाते हैं उसी की रूपरेखा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई, बैठक आयोजित करने के पूर्व श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, वहीं वरिष्ठ जनों ने अपने अनुभव,मार्गदर्शन से समाज के युवाओं

को मानव सेवा से संबंधित कार्य करने के लिए भी प्रेरित किया गया, आयोजित बैठक में विशेष रूप से चिरोंजी लाल शर्मा, प्रदीप शर्मा,हरिशंकर गौड़ प्रेम शर्मा, महेश गौड़,राहुल शर्मा, विशेष रूप से उपस्थित रहे।

आई.आई.सी विधि महाविद्यालय, इंदौर का मध्य प्रदेश विधानसभा भ्रमण सम्पन्न

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

आई.आई.सी विधि महाविद्यालय का मध्य प्रदेश विधानसभा भ्रमण एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अनुभव रहा, जिसमें विद्यार्थियों को संसदीय कार्यों का प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश विधानसभा और पं. कुंजीलाल दुबे राष्ट्रीय संसदीय विद्यापीठ, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को राजनीतिक प्रक्रिया, विधायिका की कार्यप्रणाली और बजट सत्र की कार्यवाही की विस्तृत जानकारी प्रदान करना था।

प्रशिक्षण के दौरान, विद्यार्थियों को मध्य प्रदेश बजट सत्र की कार्यवाही के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसके माध्यम से उन्हें समझाया गया कि बजट सत्र किस प्रकार राज्यों की आर्थिक नीतियों और विकास कार्यों को आकार देता है। इस संदर्भ में, श्री के.एल. दलवानी, उपसचिव (से.नि), मध्य प्रदेश शासन और श्री मिलिंद वायकर, अतिरिक्त सचिव (वित्त) से.नि, मध्य प्रदेश शासन ने अपने अनुभव साझा किए और विद्यार्थियों के प्रश्नों के उत्तर भी दिए।

कार्यक्रम में आई.आई.सी विधि महाविद्यालय,इंदौर इंटरनैशनल कॉलेज के प्रोफ़ेसर्स एवं विधानसभा के अधिकारियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया। श्री राजेश गुप्ता, अपर सचिव, मध्य प्रदेश शासन, संसदीय कार्य विभाग तथा संचालक, संसदीय विद्यापीठ, भोपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संसदीय प्रणाली की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही, श्री एम.के. राजोरिया, अवर सचिव, मध्य प्रदेश शासन, संसदीय कार्य विभाग तथा उप संचालक, संसदीय विद्यापीठ ने भी अपने विचार साझा किए। अतिथियों द्वारा सभी प्रशिक्षित विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण किया गया, जो उनके इस महत्वपूर्ण अनुभव की मान्यता थी।

इस कार्यक्रम का संचालन डॉ. पुनीत द्विवेदी, समूह निदेशक, द्वारा किया गया, जिन्होंने सभी अधिकारियों और प्रशिक्षकों का स्वागत किया। स्वागत भाषण डॉ. नेहा शर्मा चौधरी (समूह मार्केटिंग निदेशक) ने दिया, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम के महत्व और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अंत में, आभार जताते हुए डॉ. प्रीति दरक, आई.आई.सी लॉ कालेज की प्राचार्या, ने सभी अतिथियों और प्रशिक्षकों का धन्यवाद किया। समन्वय प्राध्यापक संदीप चौबे ने कार्यक्रम की योजना व क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

आई.आई.सी विधि महाविद्यालय का मध्य प्रदेश विधानसभा भ्रमण साधारण से कहीं अधिक महत्वपूर्ण रहा। यह न केवल विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धन का अवसर था, बल्कि उन्हें राजनीतिक प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक करने का एक सार्थक प्रयास भी था। संस्थान के अध्यक्ष एड. अक्षांशु तिवारी ने इस महत्वपूर्ण शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम के लिये आई. आई. सी विधि महाविद्यालय को हार्दिक बधाई दी।

इंदौर में सुबह से चला बुलडोजर, 100 से ज्यादा निर्माण जमींदोज, भारी पुलिसबल तैनात

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में आज सुबह से ही गुटकेश्वर मंदिर से लेकर सदर बाजार रोड तक बुलडोजर चलना शुरू हो गया। सड़क चौड़ीकरण निर्माण कार्य में बाधक बन रहे अवैध ढांचों और निर्माणों को हटाने की बड़ी कार्रवाई निगम के रिमूवल विभाग द्वारा की जा रही है। क्षेत्र के विकास और सुगम यातायात के लिहाज से इसे एक बड़ा कदम माना जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक सड़क मार्ग पर कई वर्षों से लोग स्थाई और अस्थाई निर्माण कर चुके थे, जिससे रोजाना यातायात बाधित हो रहा था। इस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए निगम ने पहले से ही पूरी रणनीति तैयार कर ली थी ताकि मौके पर किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति या कानून व्यवस्था की स्थिति निर्मित न हो। इस कार्रवाई के दौरान मौके पर अपर आयुक्त प्रखर सिंह, अभय राजनगवंकर, रिमूवल अधिकारी अंकेश बिरथरे, भवन अधिकारी पल्लवी पाल, रिमूवल सहायक बबलू कल्याणे एवं अन्य विभागीय अधिकारी तथा भारी पुलिस बल मौजूद है।

इंदौर में मास्टर प्लान सड़क पर बड़ी कार्रवाई

शहर के विकास को नई गति देने के उद्देश्य से इंदौर में मास्टर प्लान की सड़कों पर एक बार फिर बड़ी कार्रवाई देखने को मिल रही है। निगम प्रशासन शहर के उन सभी प्रमुख मार्गों को चिन्हित कर चुका है जहां यातायात का दबाव बहुत अधिक रहता है लेकिन सड़कों की चौड़ाई कम होने के कारण रोजाना जाम की स्थिति बनती है। इसी कड़ी में गुटकेश्वर मंदिर मार्ग को भी शामिल किया गया है। मास्टर प्लान के तहत की जा रही इस कार्रवाई से आने वाले समय में क्षेत्र की सूरत पूरी तरह बदल जाएगी और लोगों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी।

गुटकेश्वर मंदिर से सदर बाजार तक सड़क चौड़ीकरण अभियान शुरू

निगम के रिमूवल अमले ने सुबह तय समय पर पहुंचकर गुटकेश्वर मंदिर से सदर बाजार तक सड़क चौड़ीकरण का अभियान पूरी मुस्तैदी के साथ शुरू कर दिया। जैसे ही निगम की जेसीबी और पोकलेन मशीनें इलाके में पहुंचीं, वहां हड़कंप मच गया। हालांकि निगम ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क मार्ग के दोनों तरफ फैले उन सभी अतिक्रमणों को पूरी तरह से साफ करना है जो लंबे समय से सड़क निर्माण के कार्य में सबसे बड़ी बाधा बने हुए थे।

निगम और पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद

कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार के विरोध की स्थिति से निपटने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए नगर निगम और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम भारी संख्या में मौके पर तैनात रही। पुलिस अधिकारियों ने पूरे संवेदनशील इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए थे और रिमूवल अमले को सुरक्षित माहौल प्रदान किया। संयुक्त टीम की मौजूदगी के कारण किसी भी असमाजिक तत्व को कार्रवाई में बाधा डालने का मौका नहीं मिला और निगम की टीम बिना किसी बड़े व्यवधान के अपना काम करती रही।

100 से अधिक बाधकों को हटाने की कार्रवाई जारी

निगम अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार इस पूरे मार्ग पर सर्वे के दौरान 100 से अधिक बाधकों को चिन्हित किया गया था, जिन्हें हटाने की कार्रवाई लगातार जारी है। इन बाधकों में दुकानों के आगे निकले हुए ओटले, अवैध रूप से बनाई गई सीढ़ियां, शेड और पक्के निर्माण शामिल हैं। निगम का दस्ता एक सिरे से सभी चिन्हित किए गए बाधकों को जमींदोज करता हुआ आगे बढ़ रहा है ताकि सड़क निर्माण के लिए पूरी जमीन खाली कराई जा सके।

कई प्रभावितों ने खुद ही तोड़े बाधक हिस्से

इस पूरी मुहिम के दौरान एक सकारात्मक तस्वीर भी देखने को मिली जहां कई प्रभावित मकान और दुकान मालिकों ने निगम की कार्रवाई का विरोध करने के बजाय समझदारी दिखाई। इन प्रभावितों ने प्रशासन की बात को समझा और अपने निर्माण के बाधक हिस्सों को खुद ही हथौड़े लेकर तोड़ना शुरू कर दिया। लोगों द्वारा स्वयं अतिक्रमण हटाए जाने से निगम अमले को भी काफी सहूलियत हुई और काम की गति में तेजी आई।

मास्टर प्लान के तहत 60 फीट चौड़ी होगी सड़क

यह पूरी कवायद शहर के मास्टर प्लान को धरातल पर उतारने के लिए की जा रही है, जिसके तहत इस मार्ग को कुल 60 फीट चौड़ा किया जाना प्रस्तावित है। वर्तमान में सड़क की चौड़ाई काफी कम होने के कारण यहां से बड़े वाहनों का गुजरना बेहद मुश्किल होता था। सड़क के 60 फीट चौड़ा हो जाने के बाद न केवल वाहन चालकों को आसानी होगी, बल्कि दोनों तरफ पैदल चलने वालों के लिए भी पर्याप्त जगह उपलब्ध हो सकेगी।

क्षेत्र में यातायात सुधार के लिए चल रही कार्रवाई

सदर बाजार और गुटकेश्वर मंदिर मार्ग पर रहने वाले स्थानीय निवासियों और यहां से गुजरने वाले वाहन चालकों को लंबे समय से भीषण ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझना पड़ रहा था। त्योहारों और व्यावसायिक समय में स्थिति और ज्यादा बदतर हो जाती थी। इसी क्षेत्र में यातायात सुधार के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए यह बड़ी कार्रवाई की जा रही है ताकि आने वाले समय में ट्रैफिक का दबाव कम किया जा सके और सुचारू आवागमन सुनिश्चित हो।

निगम का दावा पूर्व सूचना के बाद शुरू की गई मुहिम

अक्सर ऐसी कार्रवाइयों के बाद यह आरोप लगते हैं कि प्रशासन ने अचानक कार्रवाई की, लेकिन इस मामले में नगर निगम ने साफ किया है कि यह पूरी मुहिम प्रभावितों को पूर्व सूचना देने के बाद ही शुरू की गई है। निगम अधिकारियों का दावा है कि सभी बाधक निर्माणकर्ताओं को पहले ही नोटिस जारी कर दिए गए थे और उन्हें स्वयं अपना अतिक्रमण हटाने की पर्याप्त मोहलत भी दी गई थी। तय समय सीमा समाप्त होने के बाद ही निगम ने यह कदम उठाया है।

20 हजार रुपये की रिश्वत लेते दलाल रंगे हाथ गिरफ्तार

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पर भी लोकायुक्त की कार्रवाई

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत लोकायुक्त इंदौर की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए खाद्य विभाग से जुड़े रिश्वतखोरी के मामले का खुलासा किया है। लोकायुक्त ने 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते एक व्यक्ति को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है, जबकि मामले में खाद्य विभाग के एक कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

लोकायुक्त पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता प्रमोद दुबे देवास जिले के सोनकच्छ तहसील स्थित पटेल एचपी गैस ग्रामीण वितरक एजेंसी के सह-संचालक हैं। उन्होंने लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि खाद्य विभाग इंदौर में पदस्थ कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राहुल शर्मा ने कमर्शियल गैस सिलेंडर अधिक कीमत पर बेचने का मामला बनाने की धमकी देकर उनसे 2.50 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता के अनुसार, बाद में सौदा 1.50 लाख रुपये में तय हुआ और एक लाख रुपये पहले ही ले लिए गए थे। शेष 50 हजार रुपये की मांग लगातार की जा रही थी। शिकायत की जांच और सत्यापन में आरोप सही पाए जाने पर लोकायुक्त ने ट्रैप कार्रवाई की योजना बनाई।

रविवार को गठित ट्रैप दल ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित गेट नंबर-2 के सामने एक चाय की गुमटी पर कार्रवाई करते हुए आरोपी रामू लोहिया को शिकायतकर्ता से 20 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। पूछताछ में सामने आया कि यह राशि कथित रूप से कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी राहुल शर्मा तक पहुंचाई जानी थी। लोकायुक्त टीम ने आरोपी रामू लोहिया को राशि लेकर राहुल शर्मा के पास भेजा। संपर्क होने पर राहुल शर्मा मौके पर पहुंचे, लेकिन उन्होंने कार्यालय परिसर में रिश्वत की रकम लेने से इनकार करते हुए बाद में घर पर राशि लेने की बात कही। इसके बाद लोकायुक्त ने पूरे घटनाक्रम को दस्तावेजीकृत कर दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। लोकायुक्त

अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संशोधन) अधिनियम-2018 की धारा 7 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 की धारा 61(2) के तहत प्रकरण दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

यह कार्रवाई लोकायुक्त महानिदेशक योगेश देशमुख और उप पुलिस महानिरीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में की गई। लोकायुक्त संगठन ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई शासकीय अधिकारी या कर्मचारी रिश्वत की मांग करता है तो इसकी सूचना तत्काल लोकायुक्त कार्यालय को दें।

लाखों श्रद्धालुओं ने नर्मदा में लगाई डुबकी

ओंकारेश्वर-ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के किए दर्शन

■ ओंकारेश्वर। संभाग पोस्ट

अधिक मास में लगभग 30 वर्षों बाद आए दुर्लभ संयोग वाली सोमवती अमावस्या पर धर्मनगरी ओंकारेश्वर में आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने पवित्र नर्मदा नदी में स्नान कर भगवान ओंकारेश्वर एवं भगवान ममलेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर पुण्य लाभ अर्जित किया। भीषण गर्मी और 44 डिग्री सेल्सियस के आसपास पहुंच चुके तापमान के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह और श्रद्धा में कोई कमी दिखाई नहीं दी। रविवार रात से ही श्रद्धालुओं के ओंकारेश्वर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, जो सोमवार देर शाम तक लगातार जारी रहा। धर्मनगरी की सड़कें, घाट, मंदिर परिसर और प्रमुख मार्ग श्रद्धालुओं से खचाखच भरे रहे। नगर का ऐसा कोई स्थान नहीं था जहां श्रद्धालुओं की उपस्थिति नजर न आ रही हो।

अधिक मास और सोमवती अमावस्या का दुर्लभ संयोग

प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पंडित अशोक दुबे ने बताया कि अधिक मास में आने वाली सोमवती अमावस्या का यह दुर्लभ संयोग लगभग तीन दशक बाद बना है। हिंदू धर्म में अधिक मास को अत्यंत पुण्यदायी और आध्यात्मिक साधना का विशेष काल माना जाता है। शास्त्रों में इसका महत्व सावन मास के समान बताया गया है। ऐसे में अधिक मास और सोमवती अमावस्या का एक साथ पड़ना इस पर्व की धार्मिक महत्ता को और अधिक बढ़ा देता है। उन्होंने बताया कि इस शुभ अवसर पर नर्मदा स्नान, दान-पुण्य, जप-तप एवं भगवान शिव के दर्शन का विशेष फल प्राप्त होता है। यही कारण है कि दूर-दूर से श्रद्धालु बड़ी संख्या में ओंकारेश्वर पहुंचे।

घाटों पर दिनभर रही श्रद्धालुओं की भीड़

सोमवती अमावस्या पर नर्मदा नदी के प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सबसे अधिक भीड़ नर्मदा-कावेरी संगम घाट, नगर घाट, अभय घाट एवं खेड़ी घाट पर देखने को मिली। श्रद्धालुओं ने ब्रह्ममुहूर्त से ही स्नान प्रारंभ कर पूजा-अर्चना की और भगवान शिव का अभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।

मंदिर दर्शन व्यवस्था में किए गए विशेष बदलाव

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर ट्रस्ट द्वारा मंदिर क्षेत्र में चल रहे निर्माण कार्यों के कारण श्रद्धालुओं की आवाजाही के लिए विशेष

व्यवस्था बनाई गई। मंदिर के समीप सुखदेव द्वार और जूना द्वार क्षेत्र में निर्माण कार्य जारी होने के कारण नए झूला पुल से आवागमन बंद रखा गया। श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए पुराने झूला पुल से मंदिर तक पहुंचाया गया।

यातायात व्यवस्था संभालने में प्रशासन को करना पड़ा विशेष प्रबंध

श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण प्रशासन और पुलिस को यातायात व्यवस्था बनाए रखने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। ओंकारेश्वर थाना प्रभारी अनूप सिंधिया ने बताया कि बड़ी संख्या में छोटे वाहनों के पहुंचने से नगर क्षेत्र में यातायात का दबाव अत्यधिक बढ़ गया था। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए बड़े वाहनों का प्रवेश इंदौर-खंडवा-इच्छापुर मार्ग पर प्रतिबंधित किया गया तथा नगर के कई मार्गों पर वन-वे व्यवस्था लागू की गई। पुलिस, प्रशासन और स्वयंसेवकों की टीम दिनभर श्रद्धालुओं को नियंत्रित करने तथा सुचारु दर्शन व्यवस्था बनाए रखने में जुटी रही।

आस्था के आगे फीकी पड़ी भीषण गर्मी

निमाड़ अंचल में गर्मी बरकरार है। इसके बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखाई दी। सुबह से लेकर दोपहर और शाम तक श्रद्धालु नर्मदा स्नान और ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए कतारों में खड़े रहे। सोमवती अमावस्या के इस पावन अवसर पर ओंकारेश्वर में श्रद्धा, भक्ति और आस्था का ऐसा संगम देखने को मिला जिसने धर्मनगरी को पूर्णतः आध्यात्मिक वातावरण में सराबोर कर दिया।

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- ■समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ■ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ■ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- ■हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- ■हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- ■जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- ■यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- ■अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- ■हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

मेहनत, लगन और प्रतिभा को मिला सम्मान का मंच

'सिर्वी प्रतिभा पर्व में चमके समाज के सितारे, प्रदेश स्तरीय समारोह में 437 प्रतिभाएं हुई सम्मानित'

'अखिल भारतीय सिर्वी महासभा म.प्र. की प्रेरणादायी पहल, युवाओं को मिला आगे बढ़ने का संकल्प'

धार । संभाग पोस्ट

किसी भी समाज की असली ताकत उसकी प्रतिभाएं होती हैं। जब प्रतिभाओं को पहचान, सम्मान और प्रोत्साहन मिलता है तो सफलता की नई राहें खुलती हैं। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए अखिल भारतीय सिर्वी महासभा मध्यप्रदेश के तत्वावधान में चतुर्थ कार्यकारिणी द्वारा आयोजित 'सिर्वी प्रतिभा पर्व 2025-26' के अंतर्गत प्रदेश स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन 14 जून 2026 रविवार को माधव श्री प्रसादम, कुक्षी में सम्पन्न हुआ।

यह समारोह केवल सम्मान का कार्यक्रम नहीं बल्कि समाज की मेहनत, संघर्ष और उपलब्धियों का उत्सव बना। समारोह में मध्यप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनके प्रयासों को नई ऊर्जा प्रदान की गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री आई माताजी के पूजन एवं आरती के साथ हुआ। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित अतिथियों ने प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

समारोह में मुख्य रूप से कुक्षी एसडीएम आईएएस विशाल धाकड़, आलीराजपुर जनपद सीईओ प्रिया काग, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष मनोहरलाल मुकाती, कैलाश मुकाती (वीआईपी), प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल गहलोत, महासचिव देवेन्द्र सतपुड़ा, केंद्रीय समिति के वरिष्ठ सदस्य शांतिलाल काग, हरिसिंह पटेल, भरतलाल परमार, अनिता चोयल, डॉ. जया मुकाती, सोनू बर्फा, प्रांतीय उपाध्यक्ष राधेश्याम मुकाती, दिनेश चौधरी, दीपालाल सोलंकी, बाबूलाल मुलेवा, राजकुमार बर्फा, महेश्वर ट्रस्ट पूर्व अध्यक्ष पृथ्वीसिंह सोलंकी, राजगढ़ ट्रस्ट अध्यक्ष प्रेमचन्द काग, शिक्षा सचिव नरेन्द्र सिर्वी, खेल सचिव अरुण परमार, सांस्कृतिक सचिव हरिराम राठौर, कोषाध्यक्ष संजय चोयल, वरिष्ठ पंच मोतीलाल काग, महिला संगठन प्रांतीय अध्यक्ष ललिता पंवार, महासचिव उमा काग, मुख्य संरक्षक मिश्री देवी चौधरी, युवा संगठन प्रांतीय अध्यक्ष लखन काग एवं महासचिव जितेन्द्र लछेटा की मंच पर गरिमामयी उपस्थिति रही।

स्वागत उद्बोधन में प्रांतीय महासचिव देवेन्द्र सतपुड़ा ने कहा कि प्रतिभाओं को सम्मान देना समाज के उज्जवल भविष्य में निवेश करने जैसा है। ऐसे आयोजन युवाओं को अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष कांतिलाल गहलोत ने कहा कि प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के साथ-साथ समाज को पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जागरूक होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज की प्रगति के लिए शिक्षा और संस्कार सबसे मजबूत आधार हैं।

प्रदेश शिक्षा सचिव नरेन्द्र सिर्वी सर ने बताया कि प्रतिभाओं के चयन की प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता के साथ अंतिम समय तक जारी रही, जिससे कोई भी योग्य प्रतिभा सम्मान से वंचित न रहे। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक उत्कृष्टता, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 608 प्रतिभावानों के नाम प्राप्त हुए, जिनमें से नवोदय में चयनित 8 बच्चों, खेल के 18 बच्चों, जेईई के 7 बच्चों, यूजी-पीजी व अन्य के 20 बच्चों, नीट एमबीबीएस के 22 बच्चों, 10 वीं बोर्ड के 205 एवं 12 वीं बोर्ड के 157 बच्चों सहित 437 प्रतिभाओं को समारोह में प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। मध्यप्रदेश सिर्वी समाज में कक्षा 12 वीं बोर्ड की टापर कु.राजनन्दनी काग सिरलाय एवं 10 वीं बोर्ड की टापर कु.सुमन चौधरी गुमानपुरा का समारोह विशेष सम्मान किये जाने से बच्चों को प्रेरणा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि समाज की प्रतिभाएं अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से प्रदेश एवं देश में समाज का नाम रोशन कर रही हैं। प्रतिभा पर्व का उद्देश्य इन्हीं प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें नई उड़ान देना है।

आईएएस एसडीएम विशाल धाकड़ ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। मेहनत, अनुशासन और निरंतर प्रयास से ही व्यक्ति अपने लक्ष्य तक पहुंचता है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा और जिम्मेदारी की भावना के साथ आगे बढ़ना सभी का कर्तव्य है।

जनपद सीईओ सुश्री प्रिया काग ने कहा कि जीवन में आने वाली चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता ही सफलता दिलाती है। उन्होंने युवाओं से लक्ष्य निर्धारित कर पूरे समर्पण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

महिला संगठन प्रांतीय अध्यक्ष ललिता पंवार ने कहा कि महासभा के द्वारा आयोजित इस समारोह में बालिकाओं व महिलाओं जो सम्मान प्राप्त हुआ वह सराहनीय है इससे उनको समाज सेवा की नई प्रेरणा मिलेगी। पुरे प्रदेश में महिलाओं को संगठन में सक्रिय रुप से जोड़ा गया है और वें सभी अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए आज बड़ी संख्या में यहां उपस्थित हैं।

पूर्व प्रान्तीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय समिति सदस्य मनोहरलाल मुकाती ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही उज्जवल भविष्य की बुनियाद है। बच्चों को प्रोत्साहित करने का चतुर्थ महासभा का यह प्रयास निः संदेह प्रशंसनीय है।

प्रान्तीय शिक्षा एवं सहायता कोष को मिला सम्बल

समारोह में कुक्षी नगर इकाई द्वारा 200 रुपए प्रति परिवार सहायता कोष राशि एकत्रित कर 81000/- रुपए का चेक नगर इकाई अध्यक्ष मनोज काग के नेतृत्व में पुरी टीम द्वारा शीर्ष नेतृत्व कर्ताओं को सौंपा गया। वहीं महिला संगठन देवास जिलाध्यक्ष गुलाबबाई सोलंकी एवं बड़वानी जिलाध्यक्ष मंजु दीदी गेहलोत ने 5100/- 5100/- रुपए प्रान्तीय शिक्षा एवं सहायता कोष में मंच से भेंट कर सराहनीय कार्य किया।

समारोह में केंद्रीय समिति सदस्य जगदीश परमार, वर्दीचन्द चोयल, कैलाश काग, प्रकाश भायल, गोपाल सोलंकी, हरिराम कोटवाल, महेश्वर ट्रस्ट उपाध्यक्ष राजेश राठौर सहित प्रांतीय पदाधिकारी, महिला एवं युवा संगठन के पदाधिकारी, प्रदेश के विभिन्न ट्रस्टो और जिलों एवं तहसीलों के पदाधिकारी व प्रतिनिधि, सिर्वी समाज सकल पंच समिति के पदाधिकारी, समाजबंधु, मातृशक्ति एवं युवा साथी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। समारोह में सक्रिय युवा मनीष गेहलोत, विशेष भायल, राज अगल्चा का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम का सफल संचालन केंद्रीय समिति सदस्य मुकेश गेहलोत, युवा संगठन प्रांतीय महासचिव जितेंद्र लछेटा एवं कुक्षी तहसील कोषाध्यक्ष रघु भायल ने किया। आभार प्रदर्शन युवा संगठन प्रांतीय अध्यक्ष लखन काग ने व्यक्त किया। सिर्वी प्रतिभा पर्व ने यह संदेश दिया कि जब प्रतिभा को सम्मान और समाज का सहयोग मिलता है, तो सफलता की नई कहानियां लिखी जाती हैं। यह आयोजन निश्चित रूप से आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा, उत्साह और नई दिशा प्रदान करने वाला साबित होगा। उक्त जानकारी अखिल भारतीय सिर्वी महासभा प्रांतीय मीडिया प्रभारी हीरालाल सिर्वी ने दी।

इंदौर के श्रोता केवल सुनते नहीं, महसूस भी करते हैं: राहुल देशपांडे

इंदौर । संभाग पोस्ट

संगीत केवल सुरों का मेल नहीं होता। कभी-कभी वह समय की सीमाओं को पार कर पीढ़ियों को जोड़ देता है। यही अनुभव लेकर प्रसिद्ध गायक राहुल देशपांडे 21 जून को इंदौर आ रहे हैं, जहां वे अपने बहुचर्चित कार्यक्रम अभंगवारी 2026 के अंतर्गत लाभ मंडपम में प्रस्तुति देंगे।

अभंगवारी केवल एक संगीत कार्यक्रम नहीं है। यह महाराष्ट्र की संत परंपरा की उस अमूल्य विरासत का उत्सव है, जिसने सदियों से लोगों को भक्ति, प्रेम, करुणा और आत्मचिंतन का मार्ग दिखाया है। संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर, संत नामदेव और संत एकनाथ की रचनाओं को राहुल देशपांडे अपनी विशिष्ट शैली में प्रस्तुत करते हैं, जिससे संत साहित्य आज की पीढ़ी तक सहज रूप से पहुंचता है।

इंदौर में होने वाला यह कार्यक्रम अभंगवारी 2026 की राष्ट्रीय यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। इस यात्रा की शुरुआत 20 जून को पिंपरी-चिंचवड़ से होगी और इसके बाद यह कारवां इंदौर, हैदराबाद, दिल्ली, बेंगलुरु, अमरावती, नागपुर, मुंबई, नाशिक, पुणे, अहमदाबाद और वडोदरा सहित देश के 13 शहरों तक पहुंचेगा। इंदौर के श्रोताओं के प्रति अपना विशेष स्नेह व्यक्त करते हुए राहुल देशपांडे कहते हैं, 'इंदौर ने हमेशा संगीत और संस्कृति को खुले दिल से अपनाया है। यहां का श्रोता केवल सुनता नहीं, महसूस भी करता है। अभंगवारी के माध्यम से संत तुकाराम, संत ज्ञानेश्वर और अन्य संतों की वाणी को इंदौर के रसिकों तक पहुंचाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे विश्वास है कि यह केवल एक संगीत कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मा को छू लेने वाला अनुभव होगा।'

आज के दौर में जब जीवन की गति लगातार बढ़ रही है, संतों की वाणी लोगों को भीतर झांकने और स्वयं से जुड़ने का अवसर देती है। यही कारण है कि अभंगवारी केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रही, बल्कि देशभर के श्रोताओं के बीच लोकप्रिय हो चुकी है। हर शहर में कुछ लोग पहली बार अभंग सुनेंगे। कुछ अपनी सांस्कृतिक जड़ों से दोबारा जुड़ेंगे। कुछ को अपने व्यस्त जीवन के बीच शांति का एक पल मिलेगा। और कुछ यह महसूस करेंगे कि संतों की वाणी समय से परे है। इंदौर में होने वाली यह शाम भक्ति, संगीत और आध्यात्मिकता का एक दुर्लभ संगम लेकर आएगी, जहां सदियों पुराने अभंग आधुनिक मन को भी उतनी ही गहराई से स्पर्श करेंगे जितना वे अपने समय में करते थे।

अभंगवारी २०२६ टूर शेड्यूल

20 जून – पिंपरी-चिंचवड़ । राम कृष्ण मोरे थिएटर । शाम 5:30 बजे 21 जून – इंदौर । लाभ मंडपम । शाम 7:00 बजे 27 जून – हैदराबाद । शिल्पकला वेदिका । शाम 7:00 बजे 28 जून – दिल्ली । भारत मंडपम । शाम 7:00 बजे 3 जुलाई – बेंगलुरु । चौडैया मेमोरियल हॉल । शाम 6:30 बजे 4 जुलाई – अभंगवारी सकाळ विठ्ठलाची । चौडैया मेमोरियल हॉल, बेंगलुरु । सुबह 9:30 बजे 11 जुलाई – अमरावती । छत्रपति श्री शिवाजी महाराज सभागृह । शाम 7:00 बजे 12 जुलाई – नागपुर । कविवर्य सुरेश भट ऑडिटोरियम । शाम 6:30 बजे 18 जुलाई – मुंबई । षण्मुखानंद हॉल । शाम 6:30 बजे 19 जुलाई – नाशिक । महाकवि कालिदास ऑडिटोरियम । शाम 5:30 बजे 25 जुलाई – पुणे । पंडित फार्म्स । शाम 6:30 बजे 1 अगस्त – अहमदाबाद । टैगोर हॉल । दोपहर 3:00 बजे 2 अगस्त – वडोदरा । सर सयाजीराव नगरगृह । दोपहर 3:00 बजे

पहली बार इंदौर आए भाजयुमो प्रदेशाध्यक्ष टेलर, दावेदारों ने किया शक्ति प्रदर्शन

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

प्रदेश में अभी तक भारतीय जनता युवा मोर्चा की कार्यकारिणी गठित नहीं हो पाई है। इंदौर के कई नेता भी पद पाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहे हैं। उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेशाध्यक्ष श्याम टेलर के प्रथम नगर आगमन पर सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन किया।दावेदारों ने सड़कों को बैनर-पोस्टरों से पाट दिया और स्वागत के लिए भी मंच खूब लगाए। दिन भर दावेदार टेलर के आगे-पीछे आयोजनों में मंडराते रहे। एक मां पेड़ के नाम अभियान के तहत सुबह राजवाड़ा पर साइकिल रैली का आयोजन सुबह सात बजे किया गया था, लेकिन टेलर सुबह 9 बजे पहुंचे। सांसद शंकर लालवानी और विधायक महेंद्र हार्डिया सुबह जल्दी पहुंच गए थे, लेकिन रैली शुरू नहीं होने के कारण वे लौट गए। टेलर ने पहले मां अहिल्या की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और कहा कि इंदौर स्वच्छता और हरियाली के लिए जाना जाता है। स्वच्छता के लिए तो कई शहरों को इंदौर ने दिशा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि अब देश का भविष्य युवा वर्ग के हाथ में है। युवा शक्ति देश को मजबूत करेगी।

मंच पर नहीं बैठे मंत्री विजयवर्गीय

मंत्री विजयवर्गीय भी साइकिल रैली में शामिल हुए। वे नंदानगर से साइकिल पर ही राजवाड़ा पहुंचे। जब उन्हें मंच पर आने के लिए कहा गया तो उन्होंने कहा कि यह युवाओं का मंच है और अब मैं बुजुर्ग मंच का सदस्य हूं। उन्होंने मंच के नीचे से ही संबोधित किया। रैली समाप्त होने के बाद टेलर ने अन्य कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया। वे दोपहर में एक कार्यक्रम में पहुंचे। इसके बाद उन्होंने भाजपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं की बैठकें भी लीं।

सरकारी अस्पताल के लिए 773 करोड़ का प्रोजेक्ट, 9 मंजिला इमारत में लगेंगी हाईटेक मशीनें

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर के सबसे बड़े सरकारी चिकित्सा संस्थान महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय परिसर में बुनियादी ढांचे को बदलने की दिशा में तेजी से काम शुरू हो गया है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के अंतर्गत अस्पताल की एक नई विशाल इमारत का निर्माण किया जा रहा है, जिसकी कुल अनुमानित लागत लगभग 773 करोड़ रुपये आंकी गई है। लगभग 10 एकड़ के विस्तृत भूभाग पर आकार लेने वाली इस नई आधुनिक बहुमंजिला इमारत को तीन बड़े और अलग-अलग ब्लॉक के रूप में विकसित किया जाएगा। निर्माण कार्य को गति देने के लिए प्रारंभिक चरण में ही कार्यस्थल से पुरानी मिट्टी और मलबे को हटाया जा चुका है। इसके साथ ही जमीन की भार वहन क्षमता और मजबूती का सटीक आकलन करने के लिए वहां की मिट्टी के नमूने एकत्र कर प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेज दिए गए हैं।

पर्यावरण संरक्षण के लिए पेड़ों का किया जाएगा वैज्ञानिक ट्रांसप्लांटेशन

महात्मा गांधी स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने बताया कि इस विस्तृत सरकारी परिसर में कई दशकों से लगे हुए पुराने और बड़े पेड़ों को काटने के बजाय उन्हें सुरक्षित रूप से अन्यत्र स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया है। इस अनूठी पर्यावरण-अनुकूल पहल के तहत अब तक कुल 19 बड़े छायादार पेड़ों को चिन्हित किया जा चुका है। इन सभी पेड़ों को चिकित्सा परिसर के ही अंतर्गत आने वाले एमआरटीबी अस्पताल के खुले मैदान में पूरी वैज्ञानिक पद्धति और विधिवत प्रक्रिया के साथ दोबारा रोपा जाएगा। नए स्थान पर पेड़ों को ट्रांसप्लांट करने के लिए भूमि की खुदाई का कार्य भी प्रारंभ कर दिया गया है ताकि वर्षाकाल के इस मौसम में स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र और हरियाली का संतुलन पूरी तरह बना रहे।

जर्जर सरकारी आवासों को ढहाने और विस्थापन की प्रक्रिया जारी

नई बहुमंजिला इमारत के लिए निर्धारित किए गए भूखंड के दायरे में आने वाले अधिकांश पुराने और जर्जर हो चुके सरकारी क्वाटरों को जमींदोज कर दिया गया है। इन टूटे हुए ढांचों का मलबा साफ करने की प्रक्रिया युद्धस्तर पर जारी है और अनुमान है कि अभी करीब 500 डम्पर मलबा और साफ किया जाना शेष है। इसके अतिरिक्त आने वाले दिनों में दवा बाजार के ठीक सामने स्थित केईएच कम्पाउंड के कुछ अन्य चिन्हित क्वाटरों को भी ढहाया जाना प्रस्तावित है। इस तोड़े जाने वाले क्षेत्र में निवास कर रहे शासकीय कर्मचारियों और उनके परिवारों को प्रशासन की ओर से रहने के लिए वैकल्पिक स्थान और आवास आवंटित किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर कुछ स्थानीय रहवासियों ने व्यावहारिक कठिनाइयों का हवाला देते हुए प्रशासन से अपना सामान स्थानांतरित करने के लिए दो महीने की अतिरिक्त समय-सीमा की मांग की है।

तीन ब्लॉक और नौ मंजिला होगी नई आधुनिक चिकित्सा इमारत

आगामी समय में बनने वाले इस नए अस्पताल परिसर का स्वरूप वर्तमान व्यवस्था से पूरी तरह अलग और अत्यधिक सुविधाजनक होगा। वर्तमान में संचालित एमवाय अस्पताल की पुरानी इमारत में सभी सामान्य वार्ड, प्रशासनिक कार्यालय और आपातकालीन ट्रामा सेंटर एक ही ब्लॉक के भीतर संकुचित रूप से संचालित होते हैं। इसके विपरीत नई प्रस्तावित इमारत भूतल को मिलाकर कुल नौ मंजिला ऊंची होगी, जिसे तीन सर्वसुविधाजनक ब्लॉक में विभाजित किया जाएगा। इस परियोजना के लिए जिस सटीक भौगोलिक स्थान का चयन किया गया है, वहां से बच्चों का चाचा नेहरू अस्पताल, सुपर स्पेशिएल्टी हॉस्पिटल और कैंसर केयर अस्पताल बेहद नजदीक स्थित हैं। इस रणनीतिक जुड़ाव के कारण गंभीर मरीजों को एक चिकित्सा इकाई से दूसरी विशेष चिकित्सा इकाई में स्थानांतरित करने में लगने वाले समय में भारी कमी आएगी।

भविष्य की जरूरतों को देखकर तैयार हुआ 773 करोड़ का मेगा बजट

इस भव्य चिकित्सा परिसर के निर्माण और विकास कार्यों पर कुल 773.73 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि खर्च की जाएगी। इस आवंटित बजट के अंतर्गत न केवल 1600 बिस्तरों वाले मुख्य अस्पताल की मुख्य इमारत तैयार होगी, बल्कि नर्सिंग स्टाफ के लिए 500 बिस्तरों की क्षमता वाला एक आधुनिक नर्सिंग हॉस्टल और वाहनों के लिए विशाल पार्किंग जोन भी बनाया जाएगा। इस पूरे मेगा प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य को धरातल पर उतारने की मुख्य जिम्मेदारी मध्य प्रदेश भवन निर्माण निगम लिमिटेड, भोपाल को सौंपी गई है। वहीं दूसरी तरफ इस आधुनिक चिकित्सा परिसर की वास्तुकला, आंतरिक डिजाइन और तकनीकी परामर्श की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी नई दिल्ली की एक नामचीन कंसल्टेंसी संस्था को दी गई है।

अगले 50 वर्षों की चिकित्सा आवश्यकताओं के अनुरूप बदलाव

चिकित्सा शिक्षा विभाग और लोक निर्माण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस नए अस्पताल के मास्टर प्लान को इंदौर और आसपास के जिलों की अगले 50 वर्षों की संभावित आबादी और स्वास्थ्य जरूरतों को ध्यान में रखकर पूरी तरह अपडेट किया गया है। वर्तमान आंकड़ों पर नजर डालें तो एमवाय अस्पताल की बाह्य रोगी विभाग अर्थात ओपीडी में प्रतिदिन औसतन 2500 से अधिक मरीज अपना इलाज कराने आते हैं, जबकि सैकड़ों की संख्या में गंभीर मरीज हमेशा वार्डों में भर्ती रहते हैं। मरीजों के इसी निरंतर बढ़ते अत्यधिक दबाव और पुरानी पड़ चुकी जर्जर बिल्डिंग की सीलन की समस्याओं को देखते हुए बेड क्षमता को भविष्य में 1700 तक विस्तारित करने की योजना है, जिसके लिए आने वाले समय में 773 करोड़ रुपये के इस मौजूदा सरकारी बजट को और अधिक बढ़ाया जा सकता है।

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिकः 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

श्री रवि इत्र सुगन्ध भण्डार
गुलाब, मोगरा, चन्दन, परफ्यूम इत्यादि के थोक एवं खेरची विक्रेता
प्रोपायटर : रवि सुगन्धी
मो. 9452665448
पताः हीरानगर, मेनरोड, सुखलिया, मिलन गार्डन के पास, इन्दौर

AFSL SERVICES INDIA LLP
Registered Under Ministry of Corporate Affairs & MSME, Govt of India
An ISO 9001: 2015 Certified Forensic Science Laboratory, LLPIN: ACN-6724
FORENSIC SCIENCE SERVICES
Scientific Assistance Towards Justice
- Crime Scene Investigation
- Handwriting, Signature & Documents Examination
- Fingerprint Examination
- Audio & Video Examination
- Voice Examination
- Computer/Cyber Crime Investigation
- Fire & Arson Investigation
- Insurance Fraud Investigation
- 65B IEA Certificate [63(4)(c) BSA]
- Cross Examination of forensic experts and reports
- Forensic Training & Internship
- Medicolegal Consultancy
- Photography Examination
- Forensic Consultancy.
www.appliedforensicresearchsciences.in

संदीप पवार
Mob :-98260-68380
KP
॥ श्री गणेशाय नमः॥
न्यू नर्मदा ट्रेडर्स
सीमेन्ट
बालू रेती
काली रेती, गिट्टी
ईंट एवं बिल्डिंग मटेरियल के विक्रेता
4, मंगलनगर, आई.टी.आई. रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा के पास, पेट्रोल पम्प के पहले, इन्दौर (म.प्र.)

रामसेवक दुबे
9406621084
पूजा बुक्स एण्ड स्टेशनर्स
CBCE स्कूल बुक्स
चिल्ड्रन बुक्स
ऑफिस स्टेशनरी
कम्प्यूटर स्टेशनरी
स्कूल स्टेशनरी एवं
गिफ्ट आयटम
6/3, सुंदर अपार्टमेन्ट, क्लर्क कालोनी चौराहा, श्री सत्य सांई बाल विनय मंदिर के सामने, इन्दौर मो

राहुल जनरल स्टोर्स
शॉप नं. 3 मालवा मिल चौराहा, इंदौर
मो. 9977732802

जेल में कैद था तालाब... कैदियों ने आजादी के लिए थामे गेती-फावड़े

इंदौर। जिला जेल परिसर में वर्षों पुराना बड़ा तालाब कचरे के ढेर में तब्दील हो गया था और इसकी जानकारी लगने के बाद क्षेत्रीय विधायक के साथ-साथ कई नेताओं ने कैदियों को साथ लेकर वहां श्रमदान अभियान चलाया और तालाब से कचरा हटाने की शुरुआत की। इसके लिए कई जेसीबी और संसाधन भी बुलाए गए, ताकि तालाब का जीर्णोद्धार किया जा सके और आने वाले दिनो में वहां कई कार्य किए जाएंगे।

शहर के कई तालाबों की हालत बदतर है और निगम सिर्फ बड़े तालाबों को संवारने और जीर्णोद्धार में जुटा हुआ है, लेकिन कई जगह तालाबों की जानकारी नहीं होने के कारण उनकी हालत खस्ताहाल है। जिला जेल परिसर में ही वर्षों पुराना करीब 100 बाय 400 का तालाब था और वहां काफी समय से कचरा फेंका जाता रहा, जिसके कारण पूरा तालाब कचरे से ढंक गया था। इसकी जानकारी जब क्षेत्रीय विधायक महेंद्र हार्डिया को लगी तो उन्होंने जेल अधिकारियों से चर्चा कर तालाब के जीर्णोद्धार को लेकर काम शुरू कराने को कहा। आज सुबह वहां विधायक महेंद्र हार्डिया के साथ-साथ कई जेल अधिकारी और कैदियों ने तालाब के आसपास के हिस्सों से कचरा हटाने का अभियान शुरू किया। एमआईसी मेंबर नंदकिशोर पहाडिया के मुताबिक बड़ी संख्या में तालाब के आसपास से शुरुआती दौर में कचरा निकाला गया और वहां कई जेसीबी लगाकर सफाई अभियान शुरू किया। इस दौरान तालाब को संवारने को लेकर जेल अधिकारियों से चर्चा भी की और आने वाले दिनों में वहां निगम द्वारा हरसंभव कार्य करवाकर तालाब को पुनर्जीवित किया जाएगा, जिससे आसपास के क्षेत्रों का वाटर लेवल बढ़ सके। निगम द्वारा तालाब के लिए कई कार्य भी सफाई के बाद आने वाले दिनों में शुरू कराए जाएंगे।

वर्षों पुराना तालाब जिला जेल में बदहाल था, अब बदलेगी सूरत

अब हर रोज तालाब सफाई के लिए भी लगेगी कैदियों की ड्यूटी

जिला जेल में करीब एक हजार कैदी हैं और इनसे कई अलग-अलग कार्य कराए जाते हैं। अब जेल परिसर में बने तालाब को संवारने का जिम्मा भी कैदियों को सौंपा जा रहा है और हर रोज अलग-अलग कैदियों की ड्यूटी तालाब सफाई के लिए लगाई जाएगी, ताकि 15 से 20 दिनों में तालाब की स्थिति बेहतर हो सके। पहले दौर में वहां तालाब के आसपास के सारे हिस्सों से सफाई कराने के साथ-साथ कचरा हटाया जाएगा। सफाई में निकले कचरे को ले जाने के लिए निगम के कई डंपर भी वहां तैनात किए जाएंगे।

महू के बामनिया कुंड में फिर हादसा

पिकनिक मनाने गया 17 वर्षीय युवक डूबा

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

महू के जंगलों में स्थित बामनिया कुंड में एक बार फिर हादसा हो गया। रविवार को इंदौर से पिकनिक मनाने पहुंचे युवकों के समूह में शामिल 17 वर्षीय आकाश खांडे कुंड में डूब गया। देर रात तक चले तलाश अभियान के बावजूद उसका शव बरामद नहीं हो सका।जानकारी के अनुसार आकाश अपने चार दोस्तों के साथ रविवार सुबह इंदौर से बामनिया कुंड घूमने गया था। शाम के समय सभी युवक कुंड में नहाने और तैरने उतरे। बताया जा रहा है कि कुंड में पानी काफी गहरा था और आकाश को तैरना नहीं आता था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। साथियों ने उसे बचाने का प्रयास किया तथा शोर मचाकर मदद मांगी, लेकिन देखते ही देखते वह पानी में समा गया।घटना की सूचना मिलते ही थाना बड़गोंदा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से तलाश अभियान शुरू किया गया। अंधेरा होने तक युवक का कोई पता नहीं चल सका, जिसके बाद सर्च ऑपरेशन रोक दिया गया। पुलिस सोमवार सुबह दोबारा खोज अभियान चलाएगी।आकाश खांडे इंदौर के प्रेस कॉम्प्लेक्स के पीछे सुंदर नगर क्षेत्र का है और एक गैरेज पर काम करता था। घटना की सूचना मिलने पर उसके परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने पूछताछ के लिए उसके साथ गए चारों दोस्तों को थाने बुलाया है तथा मामले की जांच कर रही है।उल्लेखनीय है कि बामनिया कुंड में हर वर्ष बड़ी संख्या में पर्यटक और युवा पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। कुंड की गहराई और खतरनाक जलधाराओं से अनजान लोग अक्सर हादसों का शिकार हो जाते हैं, जिसके बावजूद यहां सुरक्षा व्यवस्था और चेतावनी संबंधी इंतजामों को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

इंदौर-बैतूल हाईवे बचाएगा पानी,स्टार्म वाटर चैंबर, रिचार्ज पाइंट के अलावा पांच तालाब बनाए

■ इंदौर । नगर प्रतिनिधि

सुपर कॉरिडोर से करनावाद तक इंदौर-बैतूल हाईवे न केवल लोगों की राह आसान करेगा, बल्कि पर्यावरण के लिए भी मददगार साबित होगा। यह हाईवे देश का पहला जल संरक्षण आधारित हाईवे बनने जा रहा है। 300 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस 26 किलोमीटर लंबे मार्ग की खासियत इसका वैज्ञानिक जल प्रबंधन है। सड़क के दोनों ओर जल निकासी तंत्र, रिचार्ज पॉइंट और स्टॉर्म वॉटर चैंबर बनाए गए हैं, ताकि बारिश की एक-एक बूंद भूजल में समा सके। इसके लिए हाईवे के किनारे पांच बड़े तालाब भी तैयार किए गए हैं, जो 100 बीघा से अधिक क्षेत्र में पानी का संचयन करेंगे। इससे न केवल भूजल स्तर बढ़ेगा, बल्कि आसपास के किसानों को भी लाभ मिलेगा। ग्रामीण क्षेत्रों में भी भूजल स्तर में सुधार होगा। ग्रामीणों की सुविधा के लिए दोनों ओर सर्विस रोड, 12 बड़े अंडरपास और 100 फीट चौड़े मार्ग बनाए गए हैं। छह बड़े पुल और 25 से अधिक पुलियों के निर्माण से आवागमन आसान होगा। इंदौर के एमआर-10 जंक्शन को इस हाईवे से जोड़ने के लिए चौड़े अंडरपास बनाए जा रहे हैं, जो अगले छह माह में तैयार हो जाएंगे। 26 किलोमीटर लंबे इस मार्ग का लगभग 80 प्रतिशत निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। तीन वर्ष पहले इस सड़क का निर्माण कार्य राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने शुरू किया था। वर्तमान में वाहनों को बैतूल हाईवे तक पहुंचने के लिए बायपास से देवगुराड़िया होकर जाना पड़ता है। इस 26 किलोमीटर सड़क के निर्माण से एक नया बायपास तैयार हो जाएगा और इंदौर-राऊ बायपास तथा देवगुराड़िया मार्ग पर यातायात का दबाव भी कम होगा। अगले साल तक यह सड़क बनकर तैयार हो जाएगी।

सब झूठ है', राजा की हत्या के बाद पहली बार सामने आई सोनम रघुवंशी, बोली- नेपाल नहीं; शिलॉन्ग में ही हूं

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

राजा रघुवंशी की हत्या मामले में आरोपी सोनम रघुवंशी पहली बार मीडिया के सामने आई है। जमानत पर जेल से रिहा होने के बाद सोनम शिलॉन्ग में रह रही है। उसने वहां के एक लोकल चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा है कि मैं शिलॉन्ग में ही हूं। साथ ही इंदौर आने का मेरा कोई प्लान नहीं है।

जमानत की शर्तों का पालन कर रहा हूं...

राजा के भाई ने आरोप लगाया था कि सोनम रघुवंशी जमानत मिलने के बाद नेपाल चली गई है। इन आरोपों पर इस्टमोजो चैनल को सोनम रघुवंशी ने अपने वकील के साथ आकर इंटरव्यू दिया है। सोनम के वकील सुदीप राणा और प्रीति प्रधान साथ में मौजूद थे। सोनम रघुवंशी ने कहा कि मैं जमानत की शर्तों का पालन कर रहा हूं। मैं कभी उसे नहीं तोड़ूंगी।

मैं शिलॉन्ग में रह रही हूं...

इसके साथ ही सोनम रघुवंशी ने कहा है कि मैं शिलॉन्ग में ही रह रही हूं। मैं अपने खर्चे के बारे में कुछ नहीं बताना चाहती हूं। वो सब कुछ मेरा है। शिलॉन्ग में कहां रह रही हूं, यह नहीं बता सकती हूं। इंदौर जाने का अभी मेरा कोई प्लान नहीं है। मेरा केस अभी चल रहा है। जब तक यह खत्म नहीं हो जाता है, तब तक मैं नहीं जाऊंगी।

अफवाहों पर ध्यान नहीं दें

सोनम रघुवंशी ने कहा कि मेरा अभी कोर्ट में ट्रायल चल रहा है। मैं जनता से यही अपील करूंगी कि अफवाहों पर नहीं जाएं। मेरे बारे में जो कुछ भी चल रहा है, वो सब कुछ झूठ है। ये लोग झूठ बोल रहे हैं।

अभी कुछ नहीं बोलूंगी

वहीं, राजा की हत्या के आरोपों पर सोनम रघुवंशी ने कहा है कि मैं इस पर कुछ नहीं बोलूंगी। अभी मेरा केस ट्रायल में चल रहा है। मैंने कोर्ट का हमेशा सहयोग किया है।

यह आरोप सही नहीं है। मैं नेपाली हूं। सोनम के नेपाल जाने की बात झूठी है। हमलोग शिलॉन्ग के बाहर नहीं गए हैं।

सुदीप राणा, सोनम के वकील गौरतलब है कि सोनम रघुवंशी

2025 में शादी के बाद अपने पति राजा रघुवंशी के साथ हनीमून के लिए गई थी। हनीमून के दौरान ही सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या का आरोप लगा था। इसके बाद सोनम लापता रही थी और गाजीपुर में मिली थी। गाजीपुर से शिलॉन्ग पुलिस उसे मेघालय ले गई थी, जहां वह जेल में बंद थी। बीते एक महीने से वह जमानत पर चल रही है। वहीं, मेघालय सरकार उसकी जमानत के खिलाफ हाईकोर्ट गई है। हाईकोर्ट में सुनवाई हो गई है और फैसला सुरक्षित है।

भगवान गणेश के आशीर्वाद से शुरू हुई जगन्नाथपुरी यात्रा की तैयारियां

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

इंदौर। श्री महाकाल ग्रुप मालवामिल द्वारा 28 जुलाई को श्रद्धालुओं के लिए जगन्नाथपुरी की धार्मिक यात्रा का आयोजन नाममात्र शुल्क पर विशेष ट्रेन के माध्यम से किया जा रहा है। यात्रा की तैयारियों के क्रम में संस्था के पदाधिकारियों ने प्रथम पूज्य भगवान श्री खजराना गणेश जी महाराज के चरणों में पहुंचकर यात्रा का आमंत्रण पत्र समर्पित किया तथा सफल एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। संस्था सदस्यों ने भगवान गणेश जी से प्रार्थना की कि यात्रा निर्विघ्न संपन्न हो तथा सभी श्रद्धालुओं को भगवान जगन्नाथ के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त हो। पदाधिकारियों ने बताया कि यह यात्रा श्रद्धालुओं को धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण में भगवान जगन्नाथ के दर्शन का विशेष अवसर प्रदान करेगी। इस अवसर पर संस्था प्रमुख सुनील ठाकुर, सागर लखार, पंकज कैथवास, धर्मेंद्र भंडारी, संजू मीणा, प्रदीप नायक एवं दीपू मेहरा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने गणपति बप्पा का आशीर्वाद प्राप्त कर यात्रा की सफलता एवं श्रद्धालुओं के सुखद प्रवास की कामना की।

इंदौर में रातभर चला ऑपरेशन क्लीन

1458 बदमाशों की जांच, 736 पर कार्रवाई

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

इंदौर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए पुलिस ने बड़े स्तर पर विशेष अभियान चलाया। 13 और 14 जून की दरमियानी रात शहर के अलग-अलग इलाकों में सरप्राइज चेकिंग, कॉम्बिंग गश्त और निगरानी अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 1458 से ज्यादा बदमाशों और संदिग्ध व्यक्तियों की जांच की, जिनमें से 736 लोगों के खिलाफ अलग-अलग मामलों में वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है कि शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी जारी रहेंगे।

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में चारों जोन की पुलिस टीमों ने संयुक्त रूप से यह

अभियान चलाया। शहर के कई संवेदनशील इलाकों, हॉटस्पॉट और अपराध प्रभावित क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी गई। अभियान के दौरान लंबे समय से फरार चल रहे आरोपियों तक पहुंचने और उनके खिलाफ लंबित कार्रवाई पूरी करने पर भी फोकस रखा गया। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस तरह के ऑपरेशन का मकसद केवल गिरफ्तारी नहीं, बल्कि अपराधियों में कानून का डर पैदा करना भी है ताकि भविष्य में अपराध की घटनाओं में कमी लाई जा सके।

326 वारंट तामील, निगरानीशुदा बदमाशों पर खास नजर

इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि लंबे समय से लंबित वारंटों का निष्पादन रही। पुलिस ने 326 से अधिक वारंट तामील कराए, जिनमें स्थायी वारंट, गिरफ्तारी वारंट और जमानती वारंट शामिल हैं। इसके अलावा 138 समंस भी तामील किए गए। पुलिस ने विभिन्न थाना क्षेत्रों में सक्रिय गुंडों, निगरानीशुदा बदमाशों, नकबजनों, लुटेरों और चाकूबाजों की भी जांच की। कई आदतन अपराधियों को थानों में बुलाकर उनके डोजियर अपडेट किए गए और भविष्य में किसी भी आपराधिक गतिविधि से दूर रहने की चेतावनी दी गई। अधिकारियों का मानना है कि लगातार निगरानी और नियमित सत्यापन से अपराधियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सकता है। यही वजह है कि इंदौर पुलिस अब तकनीक और फील्ड ऑपरेशन दोनों का एक साथ इस्तेमाल कर रही है।

ड्रोन पेट्रोलिंग से निगरानी, नशे और अवैध हथियारों पर भी कार्रवाई

अभियान के दौरान केवल वांछित अपराधियों पर ही नहीं बल्कि सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया। शराब पीकर वाहन चलाने वाले 205 चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और मादक पदार्थों का सेवन करने वालों के खिलाफ भी मामले दर्ज किए गए। वहीं अवैध हथियार रखने वाले कई आरोपियों को पकड़कर आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई। खास बात यह रही कि कई संवेदनशील इलाकों में ड्रोन पेट्रोलिंग का उपयोग किया गया, जिससे पुलिस को जमीन पर मौजूद टीमों के साथ रियल टाइम निगरानी में मदद मिली।

सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि ड्रोन आधारित निगरानी और लगातार कॉम्बिंग गश्त जैसे कदम बड़े शहरों में अपराध नियंत्रण के लिए काफी प्रभावी साबित हो रहे हैं। इंदौर पुलिस ने साफ किया है कि शहर में अपराधियों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

करणी सेना ने संभाग अध्यक्ष (छत्राणी इकाई) बनने पर दी शुभकामनाएं

■ **इंदौर। संभाग पोस्ट**

करणी सेना के वरिष्ठ सदस्य श्रीमती नम्रता सिंह कुशवाह जी को करणी सेना की छत्राणी इकाई का संभाग अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर करणी सेना के प्रदेश संगठन महामंत्री दिग्विजय सिंह सोलंकी ने उनके निज निवास पहुंचकर शुभकामनाएं एवं बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर दिग्विजय सिंह सोलंकी ने कहा कि श्रीमती नम्रता सिंह कुशवाह के नेतृत्व में छत्राणी इकाई और अधिक सशक्त होगी तथा समाजहित एवं महिला सशक्तिकरण के कार्यों को नई गति मिलेगी। उन्होंने उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना करते हुए संगठन को मजबूती प्रदान करने में उनके योगदान की सराहना की। श्रीमती नम्रता सिंह कुशवाह ने संगठन द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास के लिए आभार व्यक्त करते हुए समाज एवं संगठन के हित में पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर करणी सेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

कार्यालय पता: 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948